Need to set up childcare institution under Mission Vatsalya Scheme in Jhansi and Lalitpur districts

श्री अनुराग शर्मा (झांसी): वर्ष 2021-22 में बाल संरक्षण सेवा योजना को मिशन वात्सल्य के रूप में नामित किया गया यह देश में बाल संरक्षण सेवाओं हेतु अम्ब्रेला योजना है। देश के प्रत्येक बच्चे के लिए स्वस्थ एवं खुशहाल बचपन सुनिश्चित करना है। हमारे देश में ऐसे बहुत से बच्चे है जो शारीरिक और मानसिक रूप से दिव्यांग है। बुन्देलखण्ड क्षेत्र भी इससे अछूता नही है। ऐसे बच्चे उक्त अक्षमताओं के कारण स्कूल नहीं जा पाते अतः इनके लिए व्यवासायिक चिकित्सा व वाल्य चिकित्सा तथा उपचारात्मक कक्षायें प्रदान करने के लिए विशेष शिक्षक चिकित्सक और नर्स की आवश्यकता होती है। इन कर्मचारियों को सांकेतिक भाषा ब्रेल और अन्य सम्बन्धित भाषाओं की जानकारी होना आवश्यक है। अतः शारीरिक एवं मानसिक अक्षमताओं से ग्रस्त, गुमशुदा/तस्करी के शिकार/कामकाजी/गली मुहल्लों में रहने वाले बच्चों, बाल -भिखारियों, मादक द्रव्यों के सेवन करने वाले बच्चों की देखभाल आदि के लिए कोई निजी एवं शासकीय केन्द्रीय संस्थान जनपद झॉसी और ललितपुर में नहीं है। अतः मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास मंत्री जी से अनुरोध है कि इस सम्बन्ध में समुचित कार्यवाही करने का कष्ट करें जिससे कि शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर बच्चों को भी सामान्य बच्चों की भाँति जीवन एवं प्रगति की मुख्य धारा से जोड़ा जा सकें ।